Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

J—9108

PAPER—III

PRAKRIT

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PRAKRIT

प्राकृत

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

नोट : इनं पण्हपत्तं दु-सयाणं (200) अंकाणं अत्थि, यो चउभागे विभाज्जिदो अत्थि। तम्हि समाहिदाणं पण्हाणं उत्तरं जहाणियमाणुसारेण हि लिहिदव्वं। सव्वाणं पण्हाणं उत्तरं पाइय-भासाए लिहिदव्वं।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks. Answer all questions in Prakrit only.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। सभी प्रश्नों के उत्तर केवल प्राकृत में ही दें।

(5x5=25 अंक)

नोट : अम्हि खंडे णिम्मलिहिदे अणुच्छेदे पंच (5) पण्हा संति। पत्तेगपण्हस्स उत्तरं तिंसदी (30) सद्देसु अवेक्खिदं अत्थि। पत्तेग पण्हं पंचाणं अंकाणं अत्थि। सव्वाणं पण्हाणं उत्तरं पाइय-भासाए लिहिदव्वं।

(5x5=25 अंका)

चेटी – अज्ज मा कुप्प। कव्वं ज्जेव कवित्तणं पिसुणेदि। जदा णिअकंतारत्तणणिंदणिज्जे वि अत्थे सुकुमारा दे वाणी, लंबत्थणीए विअ एक्काक्ली, तुंडिलाए विअ कंचुलिआ, काणाए विअ कज्जलसलाआ सुट्ठुतरंण भादि रमणिज्जा।

विदूषक: – तुब्भ उण रमणिज्जे-वि अत्थे ण सुंदरा सद्दावली। कणअकडिसुत्तए विअ लोहकिंकणीमालिआ, पडिपट्टे विअ टसरिविरंअणा, गोरंगीए विअ चन्दणचच्चा ण चारुत्तणं अवलंवेदिं। तधा वि तुमं वण्णीअसि।

Answer the following five questions keeping in view of the above passage.

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

उवरि उत्तस्स अणुच्छेदस्स गज्जस्स अणुसरेण णिम्मलिहिदाण पंच-पण्हाण उत्तरं लिह :

1. Write the name of the author and the text of the above passage.
उपर्युक्त गद्यांश के लेखक और ग्रंथ का नाम लिखिये।
उवरि उत्तस्स अणुच्छेदस्स गज्जस्स गंथगारस्स गंथस्स च णामं लिह।

2. 'कव्वं ज्जेव कवित्तणं पिसुणेदि'

Explain this statement.

इस कथन की व्याख्या कीजिये।

इभस्स कधणस्स अत्थं वित्थरेण लिह।

3. Identify the Prakrit used in the above passage.

उपर्युक्त गद्यांश में प्रयुक्त भाषा को पहचान कर स्पष्ट कीजिये।

उवरि उत्तस्स गज्जस्स पजुत्ता भासा का? फुडं कर।

4. With what words does the Vidushaka compare the statement of cheti ''रमणिज्जे वि अत्थे ण सुंदरा सद्दावली''
चेटी की द्वारा प्रयुक्त ''रमणिज्जे वि अत्थे ण सुंदरा सद्दावली'' की उपमा विदूषक ने किससे दी है?
चेटीए पजुत्त-कधणस्स - 'रमणिज्जे वि अत्थे ण सुंदरा सद्दावली' उवमा विदूसगेण केण दत्तं?

5. Explain the following words grammatically :
निम्नांकित शब्दों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिये।
अहोलिहिदेसु सद्देसु वागरणपुव्वा टिप्पणी लिहिदव्वा।
(a) णिंदणिज्जे (b) तुंडिलाए (c) पडिपट्टे (d) गोरंगी (e) तधा

SECTION - II
खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. Answer all questions in Prakrit only.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच (5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के उत्तर केवल प्राकृत में ही दें।

(5x15=75 अंक)

नोट : अम्हि खंडे पंच-पंच (5-5) अंकाणं पंचदहा (15) पण्हा संति। पत्तेगस्स पण्हस्स उत्तरं पायेण तिसंदि (30) सद्देसु अवेक्खिदं अत्थि।

(5x15=75 अंका)

6. Give any *three* similar forms of the words found both in the Vedic Sanskrit and the Prakrit.

वैदिक-संस्कृत एवं प्राकृत के किन्हीं *तीन* समरूप शब्दों को लिखिये।

वेदिग-सक्कमस्स एवं पाइयस्स काणि तिण्णि समरूव-सद्दाणि लिह।

7. Decline any *four* words of Śauraseni Prākṛta.
शौरसेनी प्राकृत के किन्हीं *चार* शब्दों को लिखिये।
सोरसेणी-पाइयस्स काणि चत्तारो सद्दाणि लिह।

8. Write the names of any *five* Āgamas in Ardhamāgadhi.
अर्धमागधी के किन्हीं *पाँच* मुख्य आगम-ग्रन्थों के नाम लिखिये।
अद्धमागही-आगम-साहिच्चस्स काणि पंच पमुह गंथ-णामाणि लिह।

9. Introduce any *two* works written in Śaurasenī.
शौरसेनी के किन्हीं *दो* ग्रन्थों का परिचय दीजिये।
सोरसेणी-पाइय-साहिच्चस्स काण वि दोण्ह गंथाण परिचयं देयं।

10. Write the names of any *two* epics (mahākāvyas) written in Prākṛta.
प्राकृत में लिखे गये किन्हीं *दो* महाकाव्यों के नाम लिखिये।
काण वि दोण्ह पाइय-महाकव्व-गंथाण णामाणि लिह।

11. Write the names of any *three* Campūkāvyas written in Prākṛta.
प्राकृत में लिखे गये किन्हीं *तीन* चम्पूकाव्यों का नाम लिखिये।
काण वि तिण्हं पाइय-चंपुकव्व-गंथाण णामाणि लिह।

12. Write down the particular period when Śūdraka might have flourished.
जिस काल-खण्ड में शूद्रक का आविर्भाव हुआ हो, लिखिये।
सुद्दग-गंथगारस्स थिदि-कालं लिह।

13. Which of the Girnar edicts describes ahiṁsā ?
गिरनार-शिलालेखों में अहिंसा का वर्णन किस शिलालेख में है?
अहिंसा-वण्णणपुव्वो गिरिनार-सिलालेहो को?

14. Write down the names of *any three* **Prākṛta alaṅkāra** works.
किन्हीं तीन **प्राकृत अलंकार** ग्रंथों के नाम लिखिये।
काणि वि तिण्हं **पाइय-अलंकार**-गंथाण णामाणि लिहिदाणि।

15. Decline तत् (त) and युष्मत् (तुम्ह) in प्रथमा and षष्ठी respectively.
तत् (त) और युष्मत् (तुम्ह) के क्रमशः प्रथमा एवं षष्ठी विभक्तियों के रूप लिखिये।
'त' सव्वणामस्स पढमा-विहत्तीए एवं 'तुम्ह' सव्वणामस्स छट्ठी-विहत्तीए रूवाणि लिह।

16. Give any *three* examples of sound change in Prākṛta from Sanskrit.
संस्कृत से प्राकृत में घटित ध्वनि परिवर्तन के *तीन* उदाहरण लिखिये।
सक्कयभासादो पाइयभासाए घडिदाण झुणि-परिवत्तणाण *तिण्णि* उदाहरणाणि लिहिदाणि।

17. What is the content of नमिपवज्जा ?
नमिपवज्जा का वर्ण्य-विषय क्या है?
नमिपविज्जाए वण्ण-विसयं किं? लिह।

18. Who is the author of सन्मतितर्कप्रकरण ?
सन्मतितर्कप्रकरण का रचयिता कौन है?
'सन्मतितर्कप्रकरण' - गंथस्स रचइदा को?

19. Write down the period of the composition of 'सेतुबन्ध'.
'सेतुबन्ध' का रचना-काल लिखिये।
'सेतुबन्ध' - महाकव्वस्स रयणा-कालं णिरूवणीयं।

20. Introduce briefly the contents of णायकुमारचरिउ.
णायकुमारचरिउ की विषय-वस्तु का संक्षेप में परिचय दीजिये।
'णायकुमारचरिउ' - गंथस्स विसयवत्थुं संखेपे लिह।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words. Answer all questions in Prakrit only.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों के (5) पाँच प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है. सभी प्रश्नों के उत्तर केवल प्राकृत में ही दें।

(12x5=60 अंक)

नोट : अंहि खंडे बारह–बारह (12-12) अंकाण पंच (5) पण्हा संति। पत्तेगस्स पण्हस्स उत्तरं पायेण दु–सयेसु (200) सद्देसु अवेक्खिदं अत्थि।

(12x5=60 अंका)

21. Sketch the developing phases of the Prakrit language.
प्राकृत भाषा के विकास के सोपानों की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिये।
पाइय–भासाए विगास–सोवाणाण रूवरेहा लिहिदव्वा।

22. Introduce the ज्ञाताधर्मकथा of the Ardhamāgadhī Āgama.
अर्धमागधी–आगम के ज्ञाताधर्मकथा का परिचय दीजिये।
अद्धमागही–आगम–साहिच्चस्स 'ज्ञाताधर्मकथा'–गंथस्स परिचयं देयं।

23. Introduce समराइच्चकहा of हरिभद्रसूरि.
हरिभद्रसूरि कृत समराइच्चकहा का परिचय दीजिये।
हरिभद्रसूरि–रचिद–समराइच्चकहाए परिचयं दायव्वं।

24. Introduce the ज्ञानाधिकार of प्रवचनसार.
प्रवचनसार के ज्ञानाधिकार का परिचय दीजिये।
पवयणसारस्स णाणाहिगारस्स परिचयं लेहणीयं।

25. Bring out the significance of the Prākṛta dialects used in the Mṛcchakaṭika.
मृच्छकटिक में प्रयुक्त प्राकृत बोलियों का महत्त्व निरूपित कीजिये।
मृच्छकटिकं–गंथे पजुत्ताण बोलीण महत्तं णिरूवणीयं।

SECTION - IV
खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. Answer in Prakrit only.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है। केवल प्राकृत में ही उत्तर दें।

(40x1=40 अंक)

नोट : अम्हि खंडे चत्तालीस (40) अंकाणं एगो णिबंधरूवो पण्हो अत्थि, जस्स उत्तरं अहोलिहिदेसु विसएसु कमवि एगे पायेण सहस्स (1000) सद्देषु लेहणं अवेक्खिदं अत्थि। पण्हस्स उत्तरं पाइय-भासाए लिहिदव्वं।

(40x1=40 अंका)

26. Write an essay on Prakrit narrative literature.
प्राकृत कथा साहित्य पर एक निबंध लिखिये।
पाइय कहा-साहिच्चे एगो णिबंधो लिह।

OR / अथवा

Write an essay on any ***one*** of the following :
निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** पर निबंध लिखिये।
अहोलिहिएसु कम वि एगो णिबंधो लिह।

(i) Write a note on the significance of ***Prakrit inscriptions***.
प्राकृत शिलालेखों के महत्त्व पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखिये।
पाइय-सिलालेहस्स महत्ते एगा विसद-टिप्पणी लेहणीया।

(ii) Throw light on different kinds of ***Prakrit.***
प्राकृत के प्रमुख भेदों पर प्रकाश डालिये।
पाइयभासाए पमुह पादेसिग भासाओ पदस्सणीयाओ।

(iii) Evaluate the contribution of ***Acharya Kundakunda***.
आचार्य कुंदकुंद के योगदान का मूल्यांकन कीजिये।
आचरिय-कुंदकुंदस्स अवदानस्स मुल्लांकनं करणीयं।

(iv) Throw light on the importance of ***Acharangasutra.***
आचारांगसूत्र के महत्त्व पर प्रकाश डालिये।
आचारांगसुत्तस्स महत्तं विवेचनीयं।

(v) Write an essay on ***Prakrit Epics.***
प्राकृत-महाकाव्यों पर एक निबंध लिखिये।
पाइय महाकाव्य-गंथेसु एगो णिबंधो लिह।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....